vinetur

यूरोपीय संघ का कहना है कि मेक्सिको के साथ व्यापार समझौते से खाद्य निर्यात पर 95% शुल्क हटेंगे

यूरोपीय मांस, डेयरी, वाइन और अन्य उत्पादों पर शुल्क में कटौती मेक्सिको की घरेलू प्रक्रियाएं पूरी होने पर निर्भर है

गुरुवार, 19 नवंबर 2026



यूरोपीय आयोग ने बुधवार, 18 नवंबर को मेक्सिको सिटी में आयोजित एक कारोबारी मंच का इस्तेमाल मेक्सिको के साथ अद्यतन व्यापार समझौते के आर्थिक महत्व को रेखांकित करने के लिए किया। आयोग ने कहा कि मेक्सिको की घरेलू प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद यह समझौता यूरोपीय कृषि-खाद्य निर्यात पर लगने वाले अधिकांश मैक्सिकन शुल्क हटा देगा।

ईयू-मेक्सिको कृषि-खाद्य व्यापार संबंध कारोबारी मंच के उद्घाटन संबोधन में आयुक्त Hansen ने कहा कि समझौते से यूरोपीय कृषि-खाद्य उत्पादों पर फिलहाल लगने वाले मेक्सिको के ऊंचे शुल्कों में से 95% हट जाएंगे। उनके मुताबिक,

इससे मांस, डेयरी, पनीर, जैतून का तेल, फल और सब्जियां, पास्ता, चॉकलेट, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, वाइन और स्पिरिट जैसे क्षेत्रों में नए अवसर पैदा होंगे।

संबोधन में मौजूदा व्यापार संबंधों के पैमाने के साथ-साथ यह तथ्य भी रेखांकित किया गया कि नई शर्तें अभी लागू नहीं हुई हैं। Hansen ने कहा कि 2025 में मेक्सिको को यूरोपीय संघ का खाद्य और पेय निर्यात लगभग €2.5 अरब तक पहुंच गया, जिससे मेक्सिको लैटिन अमेरिका में संघ का दूसरा सबसे बड़ा कृषि-खाद्य निर्यात बाजार बन गया। उन्होंने यह भी कहा कि 45,000 से अधिक यूरोपीय कंपनियां मेक्सिको को निर्यात करती हैं, जिनमें अधिकांश छोटे और मध्यम आकार के व्यवसाय हैं।

इस व्यापार ढांचे में आधुनिकीकृत Global Agreement और Interim Trade Agreement शामिल हैं, जिन पर यूरोपीय संघ और मेक्सिको ने 22 मई को मेक्सिको सिटी में हस्ताक्षर किए थे। Hansen के अनुसार, यूरोपीय संसद ने जुलाई में अपनी सहमति दी और इसके कुछ ही समय बाद परिषद ने समझौते को अंतिम रूप दिया। उन्होंने कहा कि अंतरिम समझौता मेक्सिको की अपनी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद दूसरे महीने के पहले दिन लागू होगा।

निर्यातकों के लिए यह समय-सीमा अहम है, क्योंकि शुल्क में कटौती और अन्य व्यापारिक तरजीहें अभी लंबित हैं। यूरोपीय पेय उत्पादकों के लिए देरी का अर्थ है कि मेक्सिको को वाइन और स्पिरिट भेजने की आसान पहुंच अभी लागू नहीं, बल्कि भविष्य की संभावना है। यही बात यूरोप के कई संरक्षित उत्पाद नामों—जिनमें वाइन और स्पिरिट से जुड़े नाम भी शामिल हैं—को मिलने वाली मजबूत कानूनी सुरक्षा पर भी लागू होती है।

Hansen ने कहा कि यह समझौता मेक्सिको में यूरोप के 568 भौगोलिक संकेतों की रक्षा करेगा और यूरोप में मैक्सिकन भौगोलिक संकेतों की सुरक्षा भी मजबूत करेगा। भौगोलिक संकेत ऐसे नाम हैं जो किसी खास जगह और वहां की उत्पादन परंपरा से जुड़े होते हैं। इस सुरक्षा का उद्देश्य नकल और दुरुपयोग को सीमित करना तथा उत्पादों की प्रामाणिकता को लेकर उपभोक्ताओं को अधिक भरोसा देना है। ब्रांडेड क्षेत्रीय पेय पदार्थों के साथ-साथ विशिष्ट खाद्य उत्पाद बनाने वालों के लिए समझौते का यह पहलू शुल्क में कटौती जितना ही महत्वपूर्ण हो सकता है।

आयुक्त ने इस समझौते को छोटे निर्यातकों के लिए एक साधन के रूप में भी पेश किया। उन्होंने कहा कि इससे शुल्क घटेंगे, प्रक्रियाएं सरल होंगी, पारदर्शिता बढ़ेगी और छोटे व्यवसायों पर केंद्रित एक अध्याय शामिल होगा। यह इसलिए मायने रखता है क्योंकि नए बाजार में प्रवेश करते समय छोटी खाद्य और पेय कंपनियों को अक्सर सबसे अधिक लागत का सामना करना पड़ता है, भले ही वहां मांग मौजूद हो।

Hansen ने कहा कि मेक्सिको लगभग 130 मिलियन उपभोक्ताओं वाला बाजार है, जहां उच्च गुणवत्ता वाले और विशिष्ट खाद्य उत्पादों की मांग बढ़ रही है। उन्होंने मंच को बताया कि यूरोपीय संघ के 22 सदस्य देशों के 119 कृषि-खाद्य प्रतिनिधि मेक्सिको के इस मिशन में शामिल हुए हैं। उनके अनुसार, इस प्रयास का उद्देश्य राजनीतिक प्रतिबद्धताओं को कारोबारी अवसरों में बदलना है।

संबोधन में व्यापार को बढ़ावा देने की पहल को व्यापक भू-राजनीतिक चिंताओं से भी जोड़ा गया। Hansen ने कहा कि वैश्विक व्यापार शृंखलाओं में अनिश्चितता बढ़ रही है, आपूर्ति शृंखलाओं पर दबाव है और देश आर्थिक निर्भरताओं का फिर से आकलन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे माहौल में यूरोपीय संघ मेक्सिको को एक भरोसेमंद रणनीतिक साझेदार मानता है और खुले, नियम-आधारित व्यापार पर आधारित वाणिज्यिक संबंधों को गहरा करना चाहता है।

हालांकि, Hansen ने कहा कि व्यापार बढ़ाने के लिए केवल शुल्कों में कटौती पर्याप्त नहीं होगी। उनके मुताबिक, व्यवसायों को अनुमानित नियमों, कुशल प्रक्रियाओं और अनावश्यक बाधाओं को हटाए जाने की भी जरूरत है। उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ स्वच्छता और पादप-स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर मैक्सिकन अधिकारियों के साथ काम जारी रखेगा, ताकि समझौते में किए गए बाजार तक पहुंच के वादे वास्तविक बिक्री और निवेश में बदल सकें।

Hansen ने यह भी कहा कि समझौते के तहत यूरोपीय संघ के खाद्य सुरक्षा, पशु स्वास्थ्य और पादप स्वास्थ्य मानक पूरी

तरह लागू रहेंगे। उन्होंने इसे करीबी व्यापारिक संबंधों के लिए जरूरी भरोसे का हिस्सा बताया, खासकर उन क्षेत्रों में जहां बाजार तक पहुंच को शुल्कों जितना ही नियमन भी तय करता है। वाइन, स्पिरिट और अन्य अधिक मूल्य वाले खाद्य उत्पादों के यूरोपीय निर्यातकों के लिए वास्तविक लाभ इस बात पर निर्भर करेंगे कि समझौता कानूनी रूप से कब लागू होता है, साथ ही इस पर भी कि सीमा शुल्क, नियामकीय और लेबलिंग नियम दोनों पक्ष कितनी जल्दी अमल में लाते हैं।